Dainik Bhaskar (Indore)3rd March 2020, City Bhaskar, Page-17

विशेष | 19 मार्च से श्रीलंका के साथ होने वाले 3 इंटरनेशनल मैच में निभाएंगे आलराउंडर की भूमिका

भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम का हिस्सा बने ब्रजेश, खेलेंगे टी-20

सिटी रिपोर्टर . इंदौर

आईआईटी इंदौर में डिप्टी मैनेजर के पद पर काम करने वाले शहर के बृजेश द्विवेदी एक बार फिर भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम का हिस्सा बनने जा रहे हैं। तमिलनाडु में19 मार्च से होने वाले इंटरनेशनल टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलने वाली टीम में उनका चयन किया गया है। वे तीन मैचों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करेंगे। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम का मुकाबला श्रीलंका के साथ होगा। बृजेश को उम्मीद है कि इस सीरिज में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उनका सिलेक्शन इसी साल अप्रैल में बांग्लादेश में होने वाले मैच में दिव्यांग क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए हो जाएगा।

बृजेश ने बताया कि डेढ़ साल की उम्र में पोलियो की वजह से उनका बायां पैर खराब हो गया था। बचपन से ही क्रिकेट खेलने का शौक था, लेकिन शरीर के साथ नहीं देने के कारण खेल नहीं पाते थे। इलाज के बाद 6 साल की उम्र से पूरी तरह क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। इसके बाद इंटर स्कूल स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन के चलते 1999 में मप्र की राज्य स्तरीय दिव्यांग टीम और 2003 में सेंट्रल रेलवे की दिव्यांग टीम में चयन हुआ। पारिवारिक परिस्थितियों के चलते 2008 से 2014 तक उन्हें प्रोफेशनल क्रिकेट से दूर रहना पड़ा।

इस दौरान आईआईटी में डिप्टी मैनेजर के पद पर नौकरी ज्वाइन कर ली। पारिवारिक परिस्थितियां ठीक होने पर 2014 में इंटर आईआईटी स्टाफ स्पोर्ट्स मीट से फिर खेलना शुरू किया। मार्च 2017 में अजमेर में नेशनल टूर्नामेंट में परफॉर्मेंस के आधार पर नवंबर 2017 में पहली बार भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम में सिलेक्शन हुआ। भारत-बंगलादेश के बीच मैत्री कप में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेलने का मौका मिला।

4 इंटरनेशनल सीरिज में खेलने का मिला मौका

37 वर्षीय बृजेश ने बीकॉम, एमकॉम, एमबीए, पीजीडीएएम, पीजीडीएएचआरएम की डिग्री ली है। बृजेश 2017 में भारत- बांगलादेश, फरवरी 2018 में भारत- नेपाल, अप्रेल 2018 में भारत- बांग्लादेश व नेपाल और फरवरी 2019 में भारत- नेपाल जैसी कुल 4 टी- 20 इंटरनेशनल सीरिज में आलराउंडर की भूमिका निभा चुके हैं।

इन अवार्डों से नवाजा जा चुका है अब तक

बृजेश को इस वर्ष एम्स फाउंडेशन ने खेल अलंकरण अवार्ड से नवाजा है। यही नहीं बृजेश क्रिकेट कैटेगरी में इंडिया स्टार पैशन अवार्ड-2019 से पुरस्कार पाने वाले मप्र के इकलौते खिलाड़ी हैं। इसके साथ ही बृजेश को दिव्यांग रत्न, नेशन पर्सनालिटी अवार्ड, इंडिया शाइनिंग अवार्ड व मप्र खेल रत्न अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। बृजेश द्विवेदी ने बताया की इन्हीं सब को वह अपनी ताकत बनाकर अप्रेल 2020 में होने वाले विश्व कप के लिए जी तोड़ मेहनत करेंगे, जिससे उन्हें भारतीय टीम में स्थान मिल सके।